अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–197 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 17 अक्टूबर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

जातीय सम्मेलनों से चुनावी गुणा–भाग में जुटेगी भाजपा

लखनऊ (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने सत्ता वापस आने के लिए अपना फोकस पिछड़ों और अति पिछड़ों पर करना शुरू कर दिया है। भाजपा जानती है कि जातीय गणित साधने से सारे काम हो जाएंगे। पार्टी ने पिछड़े वोट बैंक के साहरे ही पिछली बार 2017 बहुतमत से ज्यादा सीटें प्राप्त की थी। अब एक बार फिर से 17 अक्टूबर से पार्टी की ओर से जातीय सम्मेंलन की शुरूआत होने जा रही है। भाजपा ने अभी फिलहाल 17 सम्मेंलन करने का निर्णय लिया है। इन सम्मेलनों का खाका तैयार हो चुका है। यह प्रदेश स्तरी सम्मेलन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गन्ना संस्थान, पंचायती राज संस्थान के सभागार में होंगे। जिस जाति का सम्मेलन होगा, उसके एक से लेकर दो हजार तक लोगों की उपस्थिति का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से 17 अक्टूबर को पंचायत भवन में प्रजापति यानि कुम्हार समाज का होगा। 18 को कुर्मी, पटेल, गंवार समाज का, ऐसे ही दर्जी, पाल बघेल, मौर्या, कुशवाहा, केवट कष्यप, रठौर, तेली, नाई, सैनी, सविता, लुनिया, भुर्जी, चौरसिया, विष्वकर्मा, लोधी, यादव समेत करीब 37 जातियों के सम्मेंलन

होंने जा रहे हैं। इनका नाम सामाजिक सम्मेलन दिया गया है। यह फिलहाल अभी 31 अक्टूबर तक आयोजित होंगे। इसके बाद यह हर एक विधानसभा में भी आयोजित होंगे। करीब 200 सम्मेंलन आयोजित कराने की पार्टी ने पूरी रणनीति तैयार की है। यूपी के विधानसभा चुनाव में अपनी जीत दोहराने के लिए भाजपा के रणनीतिकारों ने यह योजना बनाई है। सम्मेलनों के जरिए पार्टी की योजना पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के बुद्धिजीवी लोगों को जोड़ने की है। ताकि इनके जरिए उनके गांव–गली, इलाके के लोगों का साथ मिल सके। इन जातीय सम्मेलन में सामाजिक और जातीय संगठनों के मुखिया सहित संबंधित जाति के प्रभावशाली चेहरों को मंच में जगह दी जाएगी। साथ ही पार्टी के बड़े नेताओं को भी इसमें बुलाया जाएगा। 350 से अधिक सीटों का लक्ष्य बनाकर मैदान में उतरा सत्ताधारी दल हर वर्ग और क्षेत्र से वोट जुटाना चाहता है। दलित और पिछड़ा वर्ग पर खास नजर है। चूंकि, सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी इन्हीं वर्गों से ज्यादा हैं, इसलिए पार्टी लाभार्थी वोटबैंक के रूप में इन्हें अपने साथ मजबूती से जोड़े रखना चाहती है, ताकि जाति आधारित छोटे दलों का कोई सियासी दांव राह में रोड़ा न बन सके। इस कारण यह सब निर्णय लिए जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश के उपाध्यक्ष और ओबीसी मोर्चा के प्रभारी दयाशंकर सिंह ने बताया कि अभी फिलहाल पिछड़ा वर्ग की जातियों के सम्मेलन की शुरूआत राजधानी से हो रही है। आगे चलकर यह हर जिलों में आयोजित किए जाने हैं। भाजपा ने पिछड़ा वर्ग के लिए बहुत कुछ किया है। यह वर्ग हमेशा से भाजपा के साथ रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे पिछड़ा वर्ग का कोटा बढ़ाना या फिर आयोग बनाना हो। सब बातों में देखें तो आजादी के बाद से वंचित पिछड़े समाज के लिए भाजपा केन्द्र और राज्य सरकारों ने बहुत काम किया है।

गृहकर मद की वसूली की समीक्षा हेतु नगर आयुक्त के निर्देशानुसार बैठक मुख्यालय में संपन्न

अवध की आवाज

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के गृहकर मद की वसूली की समीक्षा हेतु नगर आयुक्त के निर्देशानुसार आज दिनांक 16.10.2021 को एक बैठक मुख्यालय में आहूत की गयी। इस बैठक में अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, समस्त जोनल अधिकारीगण, कर अधीक्षक तथा वार्ड के राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहें। बैठक में उपस्थित समस्त जोनल अधिकारियों से आवंटित वार्डो में निर्धारित लक्ष्य के प्रति संतोषजनक वसूली कार्य न करने वाले निरीक्षको के संबंध में मंतव्य प्राप्त किया गया। प्राप्त मंतव्य के अनुसार जोन–1 के कर निरीक्षक श्री विशाल श्रीवास्तव के कार्यो की समीक्षा की गयी। इनके द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप संतोषजनक वसूली न किए जाने पर अपर नगर आयुक्त द्वारा उचित कार्यवाही के निर्देश दिये गये। आगामी समय में उचित प्रगति न पाये जाने पर उनके विरुद्ध पदीय दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता के आरोप में समुचित विधिक कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार जोन– 2 के कर निरीक्षकहरिशंकर पांडेय, जोन–3 अंतर्गत राजस्व निरीक्षक श्री उमेन्द्र कुमार व सुश्री रूपाली को लक्ष्य के सापेक्ष संतोषजनक प्रगति न पाये जाने पर समुचित कार्यवाही के निर्देश दिये गये। जोन–4 की कर निरीक्षक सुश्री रूपाली के बैठक में अनुपस्थित पाये जाने पर वेतन रोकने के निर्देश दिये गये। जोन–5 में कर निरीक्षक अनूप यादव, जोन–6 के अंतर्गत निरीक्षक श्री सुमित यादव एवं सुश्री अमृता सिंह के वसूली कार्यो की प्रगति संतोषजनक न पाये जाने पर उचित कार्यवाही के निर्देश दिये गये। जोन–7 में कर निरीक्षक सुश्री स्वप्निल सिंह, तथा जोन–8 में कर निरीक्षकराजेश पटेल, श्री प्रदीप हैम्पुल की वसूली न्यूनतम एवं संतोषजनक न होने पर समुचित कार्यवाही के निर्देश दिये गये। साथ ही अवगत कराया गया कि यदि लक्ष्य के प्रति वसूली में संतोषजनक सुधार नहीं होता है। इनके विरुद्ध पदीय दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता के आरोप में कड़ी कार्यवाही की जायेगी। यह भी निर्देश दिये गये कि एक सप्ताह पश्चात पुनः बैठक आहूत कर उपरोक्तानुसार अधिकारियों द्वारा निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु कृत्य कार्यवाही की समीक्षा की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

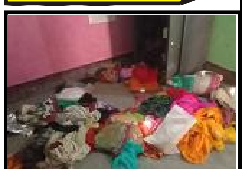

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। शुक्लागंज गंगा घाट कोतवाली पोनी रोड बिंदा नगर चौकी के अंतर्गत केके पुरम अवस्थी फार्म हाउस के पास एक घर में हुई लाखों की चोरी तीसरी आंख की नजर में कैद हुए चोर।

उन्नाव। संपूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर जनपद उन्नाव में फरियादियों की समस्याओं का निस्तारण कराते हुए जिलाधिकारी महोदय उन्नाव श्री रविंद्र कुमार साथ में पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अविनाश पाण्डेय।

उन्नाव। डीएम ऑफिस के पास झाड़ी शाह के पास भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक टिकैत के बैनर तले प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह के नेतृत्व में धरना दे रहे किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट के जरिए राष्ट्रपति सम्बोधित ज्ञापन सौपा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर का आयोजन

अवध की आवाज

उन्नाव। जनता की समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण संभव हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज जिलाधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में तहसील सदर में किया गया। जिलाधिकारी ने अध्यक्षता करते हुए जनता की समस्याओं को बहुत ही गंभीरता के साथ सुनने के उपरांत विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

डीएम एसपी ने अग्निशमन केन्द्र का किया भूमि पूजन

माधौगढ़ (जालौन) शुक्रवार दशहरे के शुभ मौके पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने माधौगढ़ में अग्निशमन केन्द्र की जगह का भूमि पूजन किया जिलाधिकारी ने पारम्परिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए जगह का भूमि पूजन किया इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक मूलचंद निरंजन व अन्य लोग मौजूद रहे एसपी रवि कुमार ने कहा कि बड़ा क्षेत्रीय स्तर होने पर अग्निशमन केन्द्र ना होने पर परेशानियाँ उठानी पड़ रही थी हालांकि यदि देखा जाये तो बीहड़ इलाकों में गर्मी के मौसम में आग लगना खेतों में फसलों का आग का चपेट में आना अन्य समस्याओं पर अग्निशमन की आवश्यकता होती है

डीएम ने बंजर भूमि से अवैध कब्जा न हटवाने पर राजस्व निरीक्षक को किया सस्पेंड

अवध की आवाज

गोंडा। शनिवार को जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील करनैलगंज में जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जहां पर उन्होंने पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के साथ जन जन शिकायतें सुनीं। तहसील

करनैलगंज में जन शिकायतों के निस्तारण के दौरान डीएम ने एसडीएम के आदेश के बावजूद बंजर भूमि से अवैध कब्जा न हटवाने पर राजस्व निरीक्षक हलधरमऊ भानु प्रताप सिंह को निलंबित करने के आदेश दिए। वहीं बिना सूचना के अनुपस्थित खण्ड शिक्षा अधिकारी करनैलगंज तथा चकबन्दी बन्दोबस्त अधिकारी का वेतन काटने के आदेश दिए। इसके अलावा सभी विभागाध्यक्षों से उनके विभाग के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज लगे होने का प्रमाणपत्र मांगा है तथा सख्त निर्देश दिए हैं कि जब तक सभी विभागाध्यक्ष इस सम्बन्ध में प्रमाणपत्र न दे दें तब तक उनका वेतन न निर्गत किया जाय। सम्पूर्ण समाधान दिवस में फतेहपुर कोटहना के ग्राम प्रधान ने शिकायत की उसके गांव में दबंगो द्वारा पंचायत भवन पर अवैध रूप से कब्जा किया है। इस पर डीएम ने एसडीएम को जांच कर कार्यवाही के आदेश दिए। गजराज मिश्रा निवासी बसन्तपुर हरसोपट्टी कौड़िया ने बताया कि उसके गांव में खिलहान की भूमि पर अवैध कब्जा करके घर बना लिया गया है। डीएम ने इस प्रकरण की जांच एसडीएम को सौंपी हैं। लालेमऊ निवासी गोविन्द पुत्र रामप्यारे ने बताया कि उसके गांव का कोटेदार कार्डधारकों को निर्धारित युनिट से कम गल्ला देता है। इस पर डीएम ने डीएसओ को जांच कर कार्यवाही के आदेश दिए हैं। जन शिकायतों की सुनवाई के दौरान डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध ढंग व गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में ही विभागवार लंबित शिकायतों की समीक्षा की तथा सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी से शिकायत लंबित होने का कारण पूछा। उन्होंने निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में एवं थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश मा0 मुख्यमंत्री जी व मुख्य सचिव द्वारा दिए गए हैं। उन्होंने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों को आईजीआरएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए तथा प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। इसके अलावा डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि कामगारों का पंजीकरण ई–श्रम पोर्टल करवाने व गोल्डन कार्ड बनवाने सहयोग करें। शराब की दुकानों पर छापेमारी की जाय। अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जाय। लक्ष्य के सापेक्ष कोविड वैक्सीनेशन कराएं। सोशल वेलफेयर से जुड़े सभी विभागों में लम्बित आवेदन अतिशीघ्र निस्तारित किए जाएं। सम्पूर्ण समाधान दिवस के बाद डीएम में श्रम विभाग में पंजीकृत कामगारों को गोल्डन कार्ड प्रदान किए। सम्पूर्ण समाधान में तहसीलदार पुष्कर मिश्रा, डीसी एन आर एल एम , डीएसओ सुरेन्द्र यादव, जिला कृषि अधिकारी जेपी यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष सोनी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी रवीन्द्र सिंह राठौर, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी विकास वर्मा, दिला पिछड़ावर्ग कल्याण अधिकारी गौरव स्वर्णकार, जिला उद्योग अधिकारी हरि प्रताप मौर्या, एल डी एम अभिषेक रघुवंशी, विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियन्ता सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी व फरियादी उपस्थित रहे।

जोन 5 में हो रहा यह अवैध निर्माण अवर अभियंता सुशील कुमार सिंह के भ्रष्ट कृत्यों का प्रमाण

सैकड़ों अवैध निर्माणों के जिम्मेदार अवर अभियंता सुशील कुमार सिंह के विरुद्ध कार्यवाही करने में डरते है प्राधिकरण के अधिकारी

अवध की आवाज

लखनऊ। वैसे तो सैकड़ों निर्माण अवर अभियंता सुशील कुमार सिंह के कार्य क्षेत्र में विकास प्राधिकरण जोन 5 में यह व्यवसायिक अवैध निर्माण अवर अभियंता सुशील कुमार सिंह व अधिषासी अभियंता भगत से उक्त अधिकारियों द्वारा बनवाया जा रहा है। गौर तलब बात तो यह है कि समाचार पत्रों में इनके कारनामे अक्सर

जारी है जिनमे से नहर रोड जानकीपुरम पर हो रहा यह निर्माण श्री सिंह के भ्रष्ट कारनामों की पोल खोल रहा है। बिना नक्शा पास हुए श्री सिंह के संरक्षण में यह निर्माण जारी है। लखनऊ के के बंसला के संरक्षण में नहर रोड जानकी पुरम शुक्ला इंटर प्राजेज ग्रेनाईट लखनऊ के बगल में बिना नक्शा पास कराए हो रहा है। सूत्रानुसार यह अवैध निर्माण लाखो रुपये लेकर मिली प्रकाशित होने बाद भी प्राधिकरण के अधिकारी चुप्पी साधे बैठे है। जिम्मेदार अवर अभियंता सुशील कुमार सिंह व अधिषासी अभियंता के के बंसला के विरुद्ध कोई विभागीय कारवाही नहीं की जा रही है।

एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन

सीतापुर(सू0वि0) जिला रोजगार सहायता अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय सीतापुर के प्रांगण में दिनांक 18.10.2021 को प्रातः 10.00 बजे एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। उक्त मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक उर्त्तीण अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य हो, का चयन वेतनमान 8500 से 11000 तक के पदों पर किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त मूल शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं एक फोटो सहित उक्त तिथि को रोजगार मेले में प्रतिभाग करें। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय सीतापुर से सम्पर्क कर सकते है तथा सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत अभ्यर्थी अपने लागिन आई–डी से सेवायोजन पोर्टल पर प्रदर्शित कम्पनी में आवेदन कर रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। इसके लिए आने जाने हेतु कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

आरोपियों से भाजपा का कोई दूर–दूर तक वास्ता नहीं– वीरेन्द्र गोयल

अवध की आवाज

सिंगरौली। छत्तीसगढ़ प्रांत के जशपुर जिले के पत्थलगांव समीपस्थ बाजारपारा स्थान में कल विजयदशमी पर्व पर दुर्गा विसर्जन के दौरान गांजा तस्करों ने अनियंत्रित गति से कार वाहन चलाते हुए कई लोगों को कुचल दिया था। जहां घटना स्थल पर ही एक युवक की दर्दनाक मौत हो गयी थी और तकरीबन डेढ़ दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये थे। दोनों गांजा तस्करों को छग पुलिस ने दबोच लिया। इस दौरान पता चला कि दोनों आरोपी सिंगरौली जिले के हैं। तो वहीं आरोप लगने लगा है कि दोनों आरोपी भाजपा से जुड़े हुए हैं। इस संबंध में सिंगरौली भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गोयल ने उक्त घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए घटना को अत्यंत दुरूखद बताया और कहा है कि दोनों आरोपियों से भाजपा का कोई लेना देना नहीं है ना हीं वो भाजपा के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं। यह सुनियोजित षड्यंत्र पूर्वक भाजपा को बदनाम करने की विपक्षियों की एक चाल है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने अपने विज्ञप्ति मे आगे कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस दोनों आरोपियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। घटना का जो वीडियो सामने आया है वह दिल दहला देने वाला है। भाजपा कभी भी अपराधियों को संरक्षण नहीं देती है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए भाजपा को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार करने का प्रयास कर रही है। गोयल ने कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व को आड़े हाथो लेते हुए कहा कि उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी राहुल गांधी एवं प्रियंका बाड्रा गांधी घटना का दुरूख जताने एवं मृतक के परिजनों से मिलने जा सकते हैं तो क्या जशपुर जिले के पत्थलगांव समीपस्थ बाजारपारा में हुए हादसे के बाद मृतक के परिजनों को सांत्वना देने व घायलों का कुशलक्षेम जानने आ सकते हैं क्या?

उन्नाव। नव दुर्गा के पावन पर्व पर विशाल भंडारे का ग्राम गहरा बालाजी के मंदिर पर आयोजन

सम्पादकीय

क्या यूपी के रूठे हुए वैश्य वोटरों को मनाने में कामयाब हो पायेगी भाजपा ?

उत्तर प्रदेश में मोदी का हिन्दुत्व टुकड़ों में बंटता जा रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव जीतने के लिए तब के बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार और गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस वृहद हिन्दुत्व को एकाकार किया था, उसने विपक्ष के पैर उखाड़ दिये थे। इसी हिन्दुत्व के बल पर मोदी ने दो बार (2014–2019) दिल्ली की और 2017 में यूपी की सत्ता हासिल की थी, लेकिन अब मोदी का हिन्दुत्व यूपी बीजेपी के लिए अप्रसांगिक हो गया है। यूपी में अब हिन्दुत्व की बात नहीं होती, बल्कि यहां टुकड़ों में हिन्दुत्व को समेटने का प्रयास किया जाता है। इसीलिए जब योगी सरकार को लगता है कि ब्राह्मण वोटर उससे नाराज है तो वह अन्य दलों के ब्राह्मण नेताओं से गलबहियां कर लेती है। ब्राह्मणों का सम्मेलन कराकर उन पर डोरे डालने लगती है। इसी तरह से जब उसे पिछड़ा समाज के मतदाताओं की नाराजगी का पता चलता है तो वह पिछड़े समाज का सम्मेलन कराने के साथ–साथ पिछड़ा समाज के लम्बरदार बने नेताओं के छोटे–छोटे दलों से गठबंधन कर लेती है। बीजेपी ऐसा ही रवैया दलितों, क्षत्रियों आदि वर्ग के वोटरों को मनाने के लिए अख्तियार करती है। इसी कड़ी में अब बीजेपी की नजर वैश्य वोटरों पर टिक गई है, जिनके बारे में यह सुनने को मिल रहा था कि वैश्य समाज योगी सरकार से खुश नहीं है।

यह नाराजगी वैश्य समाज के बड़े नेता और योगी सरकार में मंत्री राजेश अग्रवाल को योगी कैबिनेट से बाहर किए जाने के बाद और भी बढ़ गई थी। इसके बाद गोरखपुर के होटल में पुलिस की पिटाई से प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता की मौत ने वैश्य समाज की नाराजगी और भी बढ़ा दी। वैश्य समाज ने गुस्से में आकर योगी सरकार, पुलिस प्रशासन के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव तक पारित कर दिया। वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव सुधीर गुप्ता ने कहा कि मनीष की हत्या में जो भी पुलिसकर्मी लिप्त हैं उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मामले में जब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हस्तक्षेप किया तब योगी सरकार जागी और कार्रवाई हुई। यूपी में वैश्य आबादी दस प्रतिशत के करीब है। इसमें ज्यादातर व्यापारी वर्ग आता है। व्यापारियों के लिए कानून व्यवस्था हमेशा ही बड़ा मुद्दा रहता है। क्योंकि यह लोग आसानी से लूटपाट करने वालों का शिकार बन जाते हैं। इनके ही साथ अपराधा की सबसे अधिक घटनाएं होती हैं।

वैश्य समाज बीजेपी से सवाल पूछ रहा है कि 25 करोड़ की आबादी वाले देश के सबसे बड़े राज्य से एक भी वैश्य समुदाय का व्यक्ति केन्द्र सरकार में मंत्री क्यों नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार में वर्तमान में एक मात्र वैश्य नेता को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है और वो भी महत्वहीन विभाग का ? उत्तर प्रदेश की शीर्ष ब्यूरोक्रेसी के तीन अहम पदों मुख्य सचिव, डीजीपी और अपर मुख्य सचिव गृह के पद पर सत्तारुढ़ भाजपा के सवा चार साल के कार्यकाल में एक भी वैश्य अफसर को जगह नहीं दी गयी? क्या सिर्फ वैश्य समाज का इस्तेमाल भाजपा करेगी? क्या वैश्य समाज का काम सिर्फ भाजपा की बैठकों के लिए दरी और चादर बिछाना है? क्या वैश्य समाज का काम सिर्फ भाजपा नेताओं के लिए बैठक, भोजन और विश्राम की व्यवस्था करनी है? वैश्य समाज का काम सिर्फ भाजपा के लिए चुनावी फंड का इंतजाम करना है? ये ऐसे ज्वलंत सवाल हैं जिनका जवाब वैश्य समाज का युवा भाजपा के दिग्गज नेताओं से जानना चाहता है।

ज्ञातव्य हो कि कभी वैश्य समाज का बीजेपी (जनसंघ) में दबदबा रहता था। जनसंघ काल से हमेशा वैश्यों ने पार्टी का साथ दिया। अकेले यूपी में चन्द्रभानु गुप्ता, बाबू बनारसी दास और राम प्रकाश गुप्ता जैसे दिग्गज वैश्य नेता मुख्यमंत्री बने। जब पहली बार राज्य में कल्याण सिंह की सरकार 1991 में बनी तो वैश्य समाज से 5 कैबिनेट मंत्री बनाये गये। यही हाल दोबारा सत्ता में आयी भाजपा का 1997–2002 के बीच रहा लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि 2017 में भाजपा की जीत के आधार स्तंभ रहे वैश्यों को दरकिनार कर दिया गया? चुनिंदा नेताओं को जगह तो मिली लेकिन विभाग महत्वहीन। यह बात वैश्य समाज में अंदर तक घर कर गई है।

बहरहाल, योगी सरकार से वैश्य समाज की नाराजगी का अहसास होते ही सरकार ने अब वैश्य वोटरों को लुभाने के लिए भी गोटे बिछाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय और उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल विस्तार में किनारे रहे इस समाज को सम्मान का संदेश देने के साथ–साथ समाजवादी पार्टी के विधायक नितिन अग्रवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाने का फैसला भी डैमेज कंट्रोल का एक दांव माना जा रहा है। वैश्य वोटर करीब 120 विधानसभा सीटों पर निर्यायक भूमिका में रहते हैं। इसीलिए योगी सरकार समय रहते वैश्य समाज से नाराजगी दूर कर लेना चाहती है।

इसी क्रम में पिछले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से विधायक चुनकर भारतीय जनता पार्टी के पाले में आए नितिन अग्रवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाने की तैयारी है। यह तब हो रहा है जबकि चुनाव के चार–पांच माह ही बाकी बचे हैं। वैसे जानकारों का कहना है कि नितिन को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाने का फैसला अचानक नहीं लिया गया है। इसकी सुगबुगाहट तभी सुनाई देने लगी थी, जब विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दिक्षित ने समाजवादी पार्टी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने नितिन की विधानसभा सदस्यता खत्म करने की सिफारिश की थी। पार्टी का तर्क है कि नितिन अग्रवाल के पिता पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल से तब किए गए वादे को पूरा किया जा रहा है, जबकि माना यह भी जा रहा है कि मनीष हत्याकांड से वैश्य समाज की नाराजगी को देखते हुए यह कुर्सी नितिन को सौंपी जा रही है। चर्चा यह भी है कि सत्ताधारी दल वैश्य समाज के कुछ बड़े नेताओं को पार्टी में शामिल करा सकता है। साथ ही विधानसभा चुनाव में इस वर्ग को टिकट भी पहले की तुलना में कुछ अधिक दिए जा सकते हैं।

उधर, वैश्य समाज की नाराजगी भांपने के लिए बीजेपी 14 नवंबर को वैश्यों का बड़ा समागम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में करा रही है। इसके आयोजक खुद नितिन अग्रवाल होंगे, जोकि व्यापार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, जबकि मुख्य वक्ता व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल और भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल होंगे।

संघ एकमात्र संगठन है जिसमें सभी जातियों, धर्मों के लोग मिलकर सेवा कार्य करते हैं

–प्रह्लाद सबनानी–

इतिहास गवाह है– भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था, भारतीय सनातन धर्म का पालन करने वाले लोग सुदूर इंडोनेशिया तक फैले हुए थे। भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग सम्पन्न थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े का निर्यात तो भारत से पूरे विश्व को होता था। जब भारत का वैभव काल चल रहा था तब भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट–कूट कर भरी रहती थी, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाईचारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल "मैं" ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं "हम" सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने–अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे।

भारत में आज की सामाजिक स्थिति सर्वथा भिन्न नजर आती है। "हम" की जगह "मैं" ने ले ली है। नागरिकों की आपस में एक दूसरे के प्रति हमदर्दी कम ही नजर आती है। ऐसे में, भारत को पुनः यदि उसके वैभव काल में ले जाना है तो देश की धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं को आगे आकर नागरिकों में देश प्रेम की भावना का संचार करना अब जरूरी हो गया है। दूसरे विश्व युद्ध के पश्चात जापान में वहां के नागरिकों में देश प्रेम की भावना का विकास कर ही जापान ने आर्थिक विकास के नए पैमाने गढ़े हैं। जापान ने दूसरे विश्व युद्ध में देश की बर्बादी के बाद विश्व की सबसे मजबूत आर्थिक शक्ति, अमेरिका से टक्कर लेते हुए आर्थिक क्षेत्र में न केवल अपने आप को पुनः खड़ा किया है बल्कि अपने आप को विश्व की महान आर्थिक शक्तियों में भी शामिल कर लिया है। देश के नागरिक यदि देश के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए देश को अपना मानने लगेंगे तो उनमें प्रसन्नता की भावना बलवती होती जाएगी एवं इससे उनकी उत्पादकता में भी वृद्धि देखने को मिलेगी। अब समय आ गया है कि इस कार्य में सरकारों के साथ–साथ धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा भी अपनी विशेष भूमिका अदा की जाये।

भारत में पिछले 96 वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के नागरिकों में देशप्रेम की भावना का संचार करने का लगातार प्रयास कर रहा है। वर्ष 1925 (27 सितम्बर) में विजयदशमी के दिन संघ के कार्य की शुरुआत ही इस कल्पना के साथ हुई थी कि देश के नागरिक स्वाभिमानी, संस्कारित, चरित्रवान, शक्तिसंपन्न, विशुद्ध देशभक्ति से ओत–प्रोत और व्यक्तिगत अहंकार से मुक्त होने चाहिए। आज संघ, एक विराट रूप धारण करते हुए, विश्व में सबसे बड़ा स्वयं सेवी संगठन बन गया है। संघ के शून्य से इस स्तर तक पहुंचने के पीछे इसके द्वारा अपनाई गई विशेषताएं यथा परिवार परंपरा, कर्तव्य पालन, त्याग, सभी के कल्याण विकास की कामना व सामूहिक पहचान आदि विशेष रूप से जिम्मेदार हैं। संघ के स्वयंसेवकों के स्वभाव में परिवार के हित में अपने हित का सहज त्याग तथा परिवार के लिये अधिकाधिक देने का स्वभाव व परस्पर आत्मीयता और आपस में विश्वास की भावना आदि मुख्य आधार रहता है। "वसुधैव कुटुंबकम" की मूल भावना के साथ ही संघ के स्वयंसेवक अपने काम में आगे बढ़ते हैं।

अभी हाल ही में अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर निर्माण करने हेतु निधि समर्पण अभियान, जो पूरे विश्व में अपने आप में एक सबसे बड़ा सम्पर्क अभियान सिद्ध हुआ है, के माध्यम से संघ ने पूरे देश के नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया है। 44 दिनों तक चले इस अभियान के अंतर्गत 5.5 लाख से अधिक नगर–ग्रामों के 12 करोड़ से अधिक परिवारों से, भव्य मंदिर निर्माण के लिये समर्पण निधि एकत्रित करने के उद्देश्य से, सम्पर्क किया गया है। समाज के सभी वर्गों और मत–पंथों ने इस अभियान में बढ़चढ़कर सहभागिता की है। ग्रामवासी–नगरवासी से लेकर वनवासी और गिरिवासी बंधुओं तक, सम्पन्न से सामान्य जनों तक सभी ने इस अभियान को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दिया। इस तरह के अभियान देश में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में अपनी मुख्य भूमिका निभाते हैं। देश के नागरिक यदि आपस में कटुता का त्याग कर मेलजोल बढ़ाते हैं तो इससे भी देश की आर्थिक स्थिति को सशक्त करने में मदद मिलती है।

देश पर अभी हाल ही में आए कोरोना महामारी के संकट की घड़ी में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भी हमेशा की भांति देश के विभिन्न भागों में सेवा कार्यों के लिए सक्रिय हो गए थे। कई नगरों में तो स्वयंसेवकों की टोलियां अपने–अपने स्तर पर कोरोना से प्रभावित परिवारों की सहायता करती दिखाई दे रही थीं। चाहे वह कोरोना से गम्भीर रूप से प्रभावित मरीज के लिए अस्पताल में बिस्तर की व्यवस्था करवाना हो, ऑक्सीजन की व्यवस्था करना हो, दवाईयों की व्यवस्था करना हो, वेंटीलेटर की व्यवस्था करना हो, मरीज को कवारंटाईन करने के उद्देश्य से उसे अस्पताल में भर्ती कराना हो, मरीज के घर पर अन्य सदस्यों के लिए भोजन की व्यवस्था करना, आदि कार्यों में स्वयंसेवकों ने अपने आप को लिप्त कर लिया था। कई स्थानों पर तो संघ ने अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के साथ मिलकर कवारंटाईन केंद्रों की स्थापना भी की थी। साथ ही, स्वयंसेवकों द्वारा समाज में लोगों को वैक्सीन लगाने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा था एवं वैक्सीन लगाए जाने वाले केंद्रों पर भी अपनी सेवाएं प्रदान की जा रही थीं। कुल मिलाकर स्वयंसेवक कई प्रकार की टोलियां बनाकर समाज में कोरोना से प्रभावित परिवारों को व्यवस्थित रूप से अपनी सेवायें प्रदान कर रहे थे। बहुत बड़ी मात्रा में धार्मिक एवं सामाजिक संगठन भी इस कार्य में आगे आकर विभिन्न प्रकार की सेवायें प्रदान कर रहे थे यथा, कोरोना से प्रभावित हुए गरीब तबके के घरों में खाद्य सामग्री पहुंचाई गई, मंदिरों, गुरुद्वारों आदि से भोजन की व्यवस्था की गई, आदि। प्रत्येक मानव को अपना परिजन मानकर उसकी सेवा में लग जाना यह स्वयंसेवकों का विशेष गुण है।

कोरोना महामारी के प्रथम दौर के समय भी स्वयंसेवकों ने सेवा भारती के माध्यम से लगभग 93,000 स्थानों पर 73 लाख राशन के किट का वितरण किया था, 4.5 करोड़ लोगों को भोजन पैकेट वितरित किये थे, 80 लाख मास्क का वितरण किया था, 20 लाख प्रवासी मजदूरों और 2.5 लाख घुमंतू मजदूरों की सहायता की थी, इस काल में स्वयंसेवकों ने 60,000 यूनिट रक्तदान करके भी एक कीर्तिमान स्थापित किया था। इस प्रकार सेवा कार्य का एक उच्च प्रतिमान खड़ा कर दिखाया था जो कि किसी चौरिटी की आड़ में धर्मांतरण करने वालों की तरह का कार्य नहीं था। यह सब जाती, पाती, संप्रदाय, ऊंच–नीच के भेद से ऊपर उठकर "वसुधैव कुटुंबकम" अर्थात् परिवार की भावना से किया गया सेवा कार्य था।

संघ की योजना प्रत्येक गांव में, प्रत्येक गली में अच्छे स्वयं सेवक खड़े करना है। अच्छे स्वयं सेवक का मतलब है जिसका अपना चरित्र विश्वासप्रद है, शुद्ध है। जो सम्पूर्ण समाज को, देश को अपना मानकर काम करता है। किसी को भेदभाव से शत्रुता के भाव से नहीं देखता और इसके कारण जिसने समाज का स्नेह और विश्वास अर्जित किया है। संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा है। संघ की कार्यपद्धति में पंथ– उप पंथ, जातीय मतभेद आदि बांते उपस्थित हो ही नहीं सकतीं क्योंकि संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज में एकता लाने की दृष्टि से कार्य करता है। संघ में छुआछूत की भावना तो कभी की समाप्त हो चुकी है क्योंकि संघ में सभी जातियों के लोग एक झंडे के नीचे काम करते हैं।

मुट्ठीभर विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर कई सैंकड़ों वर्षों तक राज किया क्योंकि हम सब एक नहीं थे। इसलिए संघ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ही देश के लिए समाज को एकजुट करना था, है और रहेगा, जिसे पूर्ण करने हेतु ही परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी और आपने एकशः संपत का मंत्र दिया था कि उच्च जाति के हो या निम्न जाति के, पहले अपना अहंकार छोड़कर और दूसरे अपनी लाचारी या हीनता छोड़कर तथा अमीर हो या गरीब, विद्वान हो या अज्ञानी सब एक पंक्ति में खड़े हों, यही संघ का उद्देश्य है। समाज और राष्ट्र को प्रथम मानने वाले संघ में व्यक्ति गौण होता है। संघ ने कभी अपना प्रचार नहीं किया और संघ के प्रचारकों या स्वयं सेवकों ने जो दायित्व प्राप्त किए वे भी प्रचार से दूर रहे, संघ का और स्वयंसेवकों का कार्य उनकी लगन और त्याग देश के सामने है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस लम्बी यात्रा में वैश्विक स्वीकार्यता प्राप्त कर चुका है। व्यक्ति निर्माण, त्याग और राष्ट्रभक्ति के संस्कार से ओतप्रोत संघकार्य आज दुनिया के सम्मुख है। आपदा में अद्वितीय सेवाकार्य और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता के संघ के गुणों को विरोधी भी स्वीकारते हैं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना आखिर क्यों भारत के लिए एक युगान्तकारी घटना है ?

हेडगेवार जी ने हिन्दू समाज के संगठन कार्य शुरू किया था। संघ में हिन्दू शब्द का प्रयोग उपासना, पन्थ, मजहब या रिलिजन के नाते नहीं होता, इसलिए संघ एक धार्मिक संगठन नहीं है। हिन्दू एक जीवन दृष्टि और जीवन पद्धति है, इस अर्थ में संघ में हिन्दू शब्द का प्रयोग होता है। चिकित्सा क्षेत्र में मुख्यतरू दो पद्धतियां प्रचलित हैं जिसमें एलोपैथी तत्काल राहत तो देती है परन्तु स्थाई स्वास्थ्य नहीं परन्तु आयुर्वेदिक पद्धति बीमारी को जड़ से खत्म करती है। बात उस समय की है जब देश स्वतन्त्रता के लिए संघर्षरत था और देशवासियों के सामने दो मार्ग थे, एक तो क्रान्ति का जिससे तत्काल स्वतन्त्रता मिल सकती थी और दूसरा मार्ग था व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का। राष्ट्र निर्माण यानि एक ऐसे समाज का निर्माण किया जाए जो स्वतन्त्रता तो प्राप्त करे ही परन्तु अपनी उन कमियों का भी निराकरण करे जिसके चलते देश को बार–बार विदेशी दासता का मुंह देखना पड़ा। देश के महान स्वतन्त्रता सेनानी डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने देश की तत्कालीन परिस्थितियों व इतिहास का गहन अध्ययन किया और उन्होंने पाया कि जब तक समाज का निर्माण, देशवासियों में आत्मगौरव का भाव, संगठन शक्ति का विकास और समर्पण भाव पैदा नहीं होगा तब तक अगर हम स्वतन्त्रता प्राप्त कर भी लेते हैं तो वह स्थाई नहीं होगी। राष्ट्रीय गुणों के अभाव में एक शक्ति जाएगी तो कोई दूसरी आ कर देश पर फिर से कब्जा कर लेगी, जैसा कि पिछली कई शताब्दियों से होता भी आ रहा था। किसी सफल राष्ट्र के लिए अनिवार्य इन्हीं गुणों के विकास के लिए डॉ. हेडगेवार ने जिस संगठन की नींव रखी उसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसकी आज विजयादशमी को देश 97वीं जयन्ती मना रहा है। देश के इतिहास में संघ की स्थापना एक युगान्तकारी घटना कही जा सकती है जिसने देश व देशवासियों को अपने मूल से जोड़ने व पुर्नोत्थान का काम किया है।

प्राचीन काल से चले आ रहे अपने राष्ट्रजीवन पर यदि हम एक सरसरी नजर डालें तो यह बोध होगा कि समाज के धर्मप्रधान जीवन के कुछ संस्कार अनेक प्रकार की आपत्तियों के उपरान्त भी अभी तक दिखाई देते हैं। यहाँ धर्म–परिपालन करने वाले, प्रत्यक्ष अपने जीवन में उसका आचरण करने वाले तपस्वी, त्यागी एवं ज्ञानी व्यक्ति एक अखण्ड परम्परा के रूप में उत्पन्न होते आए हैं। उन्हीं के कारण अपने राष्ट्र की वास्तविक रक्षा हुई है और उन्हीं की प्रेरणा से राज्य–निर्माता भी उत्पन्न हुए। डॉ. हेडगेवार जी का मानना था कि लौकिक दृष्टि से समाज को समर्थ बनाने में तभी सफल हो सकेंगे, जब उस प्राचीन परम्परा को हम लोग युगानुकूल बना, फिर से पुनरुज्जीवित कर पाएं। इस युग में जिस परिस्थिति में हम रहते हैं, ऐसे एक–एक, दो–दो, इधर–उधर बिखरे, पुनीत जीवन का आदर्श रखने वाले उत्पन्न होकर उनके द्वारा धर्म का ज्ञान, धर्म की प्रेरणा देने मात्र से काम नहीं होगा। आज के युग में तो राष्ट्र की रक्षा और पुनरूस्थापना करने के लिए यह आवश्यक है कि धर्म के सभी प्रकार के सिद्धान्तों को अन्तरूकरण में सुव्यवस्थित ढंग से ग्रहण करते हुए अपना ऐहिक जीवन पुनीत बना कर चलने वाले और समाज को अपनी छत्र–छाया में लेकर चलने की क्षमता रखने वाले असंख्य लोगों का सुव्यवस्थित और सुदृढ़ जीवन एक सच्चरित्र, पुनीत, धर्मश्रद्धा से परिपूरित शक्ति के रूप में प्रकट हों और वह शक्ति समाज में सर्वव्यापी बनकर खड़ी हो। यह इस युग की आवश्यकता है। डॉ. हेडगेवार चाहते थे कि इस कार्य में सम्पूर्ण समाज लगे और समाज को इस काम के लिए प्रेरित, प्रशिक्षित करने का काम वह स्वयंस्फूर्त व्यक्ति करे जिसे स्वयंसेवक कहते हैं।

डॉक्टरजी ने 12–14 वर्ष आयु के किशोरों को साथ लेकर हिन्दू समाज के संगठन कार्य शुरू किया। संघ में हिन्दू शब्द का प्रयोग उपासना, पन्थ, मजहब या रिलिजन के नाते नहीं होता, इसलिए संघ एक धार्मिक संगठन नहीं है। हिन्दू एक जीवन दृष्टि और जीवन पद्धति है, इस अर्थ में संघ में हिन्दू शब्द का प्रयोग होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी एक महत्त्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धति है। सत्य एक है, उसे बुलाने के नाम अनेक हो सकते हैं, पाने के मार्ग भी अनेक हो सकते हैं, वे सभी समान हैं, यह मानना भारत की जीवन दृष्टि है और यही हिन्दू जीवन दृष्टि है। एक ही चौतन्य अनेक रूपों में अभिव्यक्त हुआ है। इसलिए सभी में एक ही चौतन्य विद्यमान है, विविधता में एकता यह भारत की जीवन दृष्टि है। इस जीवन दृष्टि को मानने वाला, भारत के इतिहास को अपना मानने वाला, यहाँ के जीवन मूल्यों को अपने आचरण से समाज में प्रतिष्ठित करने वाला और इनकी रक्षा हेतु त्याग और बलिदान करने वाले को अपना आदर्श मानने वाला हर व्यक्ति हिन्दू है, फिर उसका उपासना पन्थ चाहे जो हो। संघ का साफ मानना है कि भारत में रहने वाला ईसाई या मुस्लिम बाहर से नहीं आया है। वे सब यहीं के हैं। हमारे सब के पुरखे एक ही हैं, किसी कारण से मजहब बदलने से जीवन दृष्टि नहीं बदलती है। इसलिए उन सभी की जीवन दृष्टि भारत की याने हिन्दू ही है।

संघ केवल एक व्यक्ति की उपज नहीं बल्कि इसके विकास व स्थापना में सम्पूर्ण समाज का सहयोग साफ झलकता है। संगठन का नाम क्या हो, किसी ने 'शिवाजी संघ' नाम सुझाया तो किसी ने 'जरीपटका मण्डल' और किसी ने 'हिन्दू स्वयंसेवक संघ' किन्तु अन्त में नाम निश्चित हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। संघ की प्रार्थना के सम्बन्ध में भी यही हुआ। संघ प्रार्थना संघ की स्थापना के 15 वर्षों बाद तैयार की गई। पहले मराठी और हिन्दी में दो श्लोक मिलाकर प्रार्थना की जाती थी। हिन्दी श्लोक में एक पंक्ति इस प्रकार थी, 'शीघ्र सारे दुर्गुणों से मुक्त हमको कीजिए।' इसमें जो नकारात्मक, निराशा का भाव है, वह डॉक्टरजी को पसन्द नहीं आया। अतरू उसके स्थान पर 'शीघ्र सारे सद्गुणों से पूर्ण हिन्दू कीजिए' पंक्ति स्वीकार की गई। इससे यही स्पष्ट होता है कि डॉक्टर जी का मौलिक चिन्तन कितना सूक्ष्म और मूलग्राही था। संघ के उत्सवों के चयन व गुरु परम्परा में भी इस चिन्तन की झलक मिलती है। हिन्दू समाज में गुरु परम्परा हजारों वर्षों से चली आ रही है। डॉक्टरजी भी उसी परम्परा अनुसार स्वयं गुरुस्थान पर आरुढ़ होते तो कोई उन्हें दोष नहीं देता। अपनी जयजयकार सुनकर भला किसका मन प्रफुल्लित नहीं होता? किन्तु उन्होंने कहा कि परमपवित्र भगवा ध्वज ही हमारा गुरु है।

कोई भी कार्य करना हो तो थोड़ा बहुत धन आवश्यक होता है परन्तु इस मामले में भी संघ की स्थिति अलग रही है। प्रारम्भ में चन्दा एकत्रित कर यह खर्च वहन किया जाता, किन्तु आगे चलकर कार्यकर्ताओं ने ही स्वयं विचार किया कि यदि हम इसे अपना ही कार्य मानते हैं तो फिर इसका खर्च स्वयं ही क्यों न वहन करें ? फिर, प्रश्न उठा कि हम जो पैसा दें उसके पीछे दृष्टि और मानसिकता क्या हो ? डॉक्टरजी ने कहा, हमें कृतज्ञता और निरपेक्षबुद्धि से यह देना चाहिए। इस प्रकार संघ में गुरुदक्षिणा की पद्धति प्रारम्भ हुई। पहले वर्ष नागपुर शाखा की गुरुदक्षिणा केवल 84 रु. हुई। इसके बाद प्रश्न पैदा हुआ कार्यविस्तार का, जिस हेतु कार्यकर्ता कहां से मिलें ? तब कुछ स्वयंसेवक अन्य प्रान्तों में गये, इन्होंने वहां शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही संघ की शाखाएं भी खोलीं, कार्यकर्ता भी तैयार किए। आगे चलकर यही विद्यार्थी वहां पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में भी कार्य करने लगे। कार्य की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस हुई और इस दृष्टि से संघ शिक्षा वर्ग की श्रृंखला चल पड़ी। अपने जीवन काल के 97 सालों में संघ भारतीय जनमानस के हृदयपटल में पूरी तरह रच–बस गया है। लगभग इसी कालखण्ड में देश में वामपन्थी विचारधारा ने प्रादुर्भाव किया, वो आए और खरगोश की गति से आगे बढ़े परन्तु देश की मिट्टी से कटे होने के कारण तमाम तरह के छल–प्रपञ्चों के बावजूद भी अन्तिम सांसें ले रहे हैं। दूसरी ओर देश के मूल से जुड़ा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चरैवेति–चरैवेति के सनातन सिद्धान्त का अनुसरण करता हुआ आज भी तेजी से उभरती स्थिति में दिखाई दे रहा है तो इसे देश के पुनर्जागरण का ही अरुणोदय माना जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

कांग्रेस में नई हलचल– माजरा क्या है?

–जावेद अनीस–

कांग्रेस के संकट पर चर्चा अब उबाऊ हो चला है, यह बहुत लम्बे समय से चला आ रहा है. 2014 के लोकसभा चुनाव में हार के बाद उनका यह संकट गहराता ही गया है. 2019 में राहुल गाँधी के इस्तीफा के बाद से तो यह संकट ही दिशाहीन सा लगने लगा है. लेकिन इधर कांग्रेस पार्टी में घटी दो घटनाएं ध्यान खीचने वाली है, एक पंजाब में नेतश्त्व परिवर्तन और दूसरा कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवाणी का पार्टी में शामिल होना।

कांग्रेस पार्टी के लिए कैप्टेन अमरिंदर सिंह सरीखे नेता को मुख्यमंत्री पद से हटाना और कन्हैया, जिग्नेश जैसे ठोस विचारधारा वाले युवा नेताओं को पार्टी में शामिल करना कोई मामूली फैसला नहीं है। तो क्या इसे पार्टी पर राहुल और प्रियंका गांधी के नेतृत्व को स्थापित करने और उनके हिसाब के नयी कांग्रेस पार्टी गढ़ने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा सकता है? अगर ऐसा है तो कांग्रेस अपने इस अंतहीन से लगने वाले सकंट को एक मुकाम मिलने की उम्मीद कर सकती है।

आज कांग्रेस पार्टी दोहरे संकट से गुजर रही है जो कि अंदरूनी और बाहरी दोनों हैं लेकिन अंदरूनी संकट ज्यादा गहरा है जिसके चलते पार्टी एक राजनीतिक संगठन के तौर पर काम नहीं कर पा रही है. पार्टी में लम्बे समय से चल रही पीढ़ीगत बदलाव की प्रक्रिया फंसी हुई है जिससे पार्टी के बैचौन युवा नेताओं में भगदड़ मची हुई है. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के मुताबिक 2014 से 2021 के दौरान कांग्रेस पार्टी के करीब 399 नेता पार्टी छोड़ चुके हैं जिसमें 177 सांसद और विधायक शामिल हैं. दूसरी तरफ पुरानी पीढ़ी के नेता राहुल गाँधी के रास्ते का रोड़ा बने हुए हैं जिन्हें फिलहाल जी–23 समूह के रूप में जाना जा रहा है।

2019 की हार के बाद अपना इस्तीफा देते समय राहुल गाँधी ने कांग्रेस नेताओं से जवाबदेही लेने, पार्टी के पुनर्गठन के लिये कठोर फैसले लेने और गैर गांधी अध्यक्ष चुनने की बात कही थी। लेकिन इनमें से कुछ नहीं हो सका उलटे सबकुछ पहले से अधिक पेचीदा हो गया है। फिलहाल सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष हैं और राहुल गाँधी बिना कोई जिम्मेदारी लिये हुये पार्टी के सबसे बड़े और प्रभावशाली नेता बने हुये हैं। पार्टी में विचारधारा को लेकर भी भ्रम की स्थिति है. पार्टी नर्म हिन्दुतत्व व धर्मनिरपेक्षता/उदारवाद के बीच झूल रही है। आम आदमी पार्टी तो पहले भी इस तरह के मंसूबे दिखाती रही है लेकिन इस बार ममता बनर्जी बहुत ही गंभीरता और योजनाबद्ध तरीके से इस दिशा में आगे बढ़ते हुए दिखाई पड़ रही हैं. इस काम में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर उनके सारथी के रूप में दिखलाई पड़ रहे हैं। पिछले कुछ महीनों मेंटीएमसी असम, गोवा और मेघालय के कई कांग्रेस नेताओं को अपने खेमे में शामिल करने में कामयाब रही है।

भारतीय राजनीति में अधिकतर समय विपक्ष मजबूत नहीं रहा है लेकिन मौजूदा समय की तरह कभी इतना निष्प्रभावी भी नहीं रहा है। इसमें कांग्रेस के कमजोरी की बड़ी भूमिका है. वैसे भी आज के दौर में विचारधारा के तौर पर भाजपा और संघ परिवार को असली चुनौती कांग्रेस और लेफ्ट से ही है। इस मामले में अन्य क्षेत्रीय पार्टियाँ भाजपा को कोई चुनौती पेश नहीं करती है। इसलिए आज कांग्रेस का संकट भारतीय राजनीति के विपक्ष का संकट बन गया है।

आज विपक्ष के रूप में कांग्रेस का मुकाबला एक ऐसे दल से है जो विचारधारा के आधार पर अपनी राजनीति करती है.भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार अपने विचारधारा के आधार पर नया भारत गढ़ने में व्यस्त हैं। आजादी की विरासत और पिछले 75 वर्षों के दौरान प्रमुख सत्ताधारी दल होने के नाते कांग्रेस ने अपने हिसाब से भारत को गढ़ा था। अब उसके पास भाजपा के हिन्दुतात्वादी राष्ट्रवाद के मुकाबले कोई कार्यक्रम या खाका नजर नहीं आ रहा है। इसलिए कांग्रेस को अगर मुकाबले में वापस आना है तो उसे संगठन और विचारधारा दोनों स्तर पर काम करना होगा. उसे अपने जड़ों की तरफ लौटना होगा और आजादी के आन्दोलन के दौरान जिन मूल्यों और विचारों की विरासत उसे मिली थी उन्हें अपने एजेंडे में लाना होगा, उग्र और एकांकी राष्ट्रवाद के मुकाबले समावेशी और बहुलतावादी राष्ट्रवाद की अवधारणा को पेश करना होगा तभी जाकर वह अपनी खोई हुई जमीन दोबारा हासिल कर सकती हैं। दूसरा बड़ा संकट लीडरशिप का है तमाम कोशिशों के बावजूद राहुल गाँधी पार्टी में अपना वर्चस्व स्थापित नहीं कर पाए हैं। पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद भी आज पार्टी के सारे फैसले वही ले रहे हैं। साथ ही वे देश के "इकलौते" विपक्ष के नेता के तौर पर अकेले ही मोदी सरकार को घेरने की कोशिश करते रहते हैं। उनके इस कवायद में उनका पार्टी संगठन नदारद नजर आता है. जी–23 समूह के नेता राहुल गांधी के बिना किसी पद के इसी ऑथोरिटी पर सवाल उठा रहे हैं जिसे गैर–वाजिब भी नहीं कहा जा सकता है ण्प्रशांत किशोर का इरादा भले ही कुछ भी रहा हो लेकिन पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी को लेकर उनके द्वारा किये गये ट्वीट से असहमत नहीं हुआ जा सकता है जिसमें उन्होंने लिखा था कि 'जो लोग लखीमपुर खीरी की घटना को पुरानी पार्टी के पुनर्जीवित करने के तौर पर देख रहे हैं, उन्हें बड़ी निराशा ही हाथ लगनी है क्योंकि पार्टी की बड़ी समस्याओं और संरचनात्मक कमजोरियों का कोई तात्कालिक समाधान नहीं है.' अगर कांग्रेस अपने संकट को एक मुकाम देना चाहती है तो सबसे पहले उसे अपने तीन अंदरूनी संकटों विचारधारा, लीडरशिप और सांगठनिक बिखराव को हल करना होगा।

रास्ता के विवाद में युवक को गोली मारी, हालत गम्भीर

फर्रुखाबाद, (वेब वार्ता)। थाना कम्पिलक्षेत्र में रास्ता निकलने के विवाद में युवक को गोली मारकर घायल कर दिया। थाना कंपिल के ग्राम हकीकतपुर हजियापुर निवासी ओमकार यादव पुत्र सूबेदार पड़ोसी गांव ढमढेरा से दवा लेकर बाइक द्वारा घर जा रहे थे। जब वह रास्ते में ग्राम ललई राजवाह की पुलिया से गुजर रहे थे, तभी गोली मारकर ओमकार को घायल कर दिया गया। भाई इंस्पेक्टर सिंह यादव ने घायल ओमकार को सीएससी कायमगंज पहुंचाया। सूचना मिलते ही सीओ सोहराब आलम, कस्बा चौकी इंचार्ज रहमत अली, मंडी चौकी इंचार्ज अशोक कुमार सिपाही सचिन के साथ मौके पर जाकर जांच पड़ताल की। सीओ के निर्देश पर कंपिल थानाध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह ने मामले की जांच पड़ताल की। इंस्पेक्टर सिंह यादव ने बताया कि जब भाई ओमकार पुलिया होकर गांव जा रहे थे, तभी वहां घात लगाए गांव के रामशरण उर्फ पप्पू एवं रजनीश ने डंडा मारकर भाई को बाइक से गिरा दिया और उसी दौरान जान से मारने की नियत से भाई के ऊपर 12 बोर तमंचे से गोली मारी गई। पीठ में अनेकों छर्रे लगने से भाई बेहोश होकर गिर पड़े। आसपास के लोगों की मदद से घायल भाई को अस्पताल लाया। थानाध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों में रास्ता निकलने का विवाद है।

न ही दरख्वास्त न ही फरियादी शांतिपूर्ण चौकी बनी झण्डी

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। अक्कसर लोगो के मुँह से चौकी, थानों ,पुलिस की बुराइयाँ ही सुनी है।पर कभी कभी पुलिस के कुछ अच्छे चहेरे भी सामने आ जाते है। जिन्हें दिल से सेल्युट करने का मन करता है। और वही कभी कभी ये ही पुलिस मानवी चहेरे को सर्मशार

भी कर देती है। कुछ ऐसे ही अच्छे चहरे दिखे। जी हाँ हम बात कर रहे है।कोतवाली निघासन के झण्डी चौकी की जिसके चौकी इंचार्ज तेजतर्रार अत्यंत ईमानदार विनोद सिंह की जब उन्होंने चौकी का चार्ज सम्भाल तो शुरुवाती तौर पर कुछ अड़चने तो जरूर आई और उन अड़चनों का उनको सामना करना पड़ा पर जब से उन्होंने चौकी का माहौल समझा और अपना शिकंजा अपराधियों पे कसा तब से लगभग पूरा चौकी क्षेत्र अपराध मुक्त है।अपराधी चोरी डकैती लूट मार करना बन्द ही कर दिये इसका काफी श्रेय समस्त चौकी स्टाफ को भी जाता है। जो पूरी रात जो बिना सोये रात्रि में गस्त करता रहता है। और अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी के साथ करते है और क्यों न हो जिसका मुखिया अच्छा हो तो वो पूरा घर ही अच्छा होता है।ये कहावत सही है। सुनने में आया है। कि कुछ घरेलू झगड़ो को छोड़ कर लगभग चौकी पे फरियादियो का आना बन्द हो गया। इसका पूरा श्रेय समस्त चौकी स्टाप को जाता है।जिसने अपराधियों पे अपना शिकंजा कसा हुआ है।

नगर पंचायत सिंगाही मे भारी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता व क्षेत्र वासियों के सहयोग से निकाला गया कैडल मार्च

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। सिंगाही खीरी नगर पंचायत सिंगाही के चेयरमैन उत्तम कुमार मिश्र की अगुवाई मे तिकुनिया मे प्रदर्शन कारी किसानो द्वारा निर्दयता से हत्या किये जाने पर भाजपा कार्यकर्ता शहीद हुये शुभम मिश्र, हरिओम मिश्र, श्याम सुंदर निशाद, भाजपा इन कार्यकर्ताओ के हत्यारों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कैडल मार्च निकाला जो दुर्गा मन्दिर से सिंगाही मेन बाजार से होते हुऐ बस स्टाप तक पहुंचे जिसमे सभी भाजपा कार्यकर्तादोशियो को फांसी दो कि माँग करते हुए आगे बढे जिसमे..गीता मिश्रा, ऊषा गुप्ता, मधुमिता गुप्ता,आदि और प्रदीप पुरवार(पूर्व चेयरमैन) विकास मिश्र(मण्डलअध्यक्ष),मोहित त्रिवेदी(महामंत्री), आशीष गुप्ता, अर्जुन गुप्ता (प्रधानप्रतिनिधि),कमल जायसवाल (नामित सभासद),शत्रोहन मौर्य, बृजेन्द्र मौर्य,रामकुमार मौर्य, प्रदीप गुप्ता आदि अनेक भाजपा कार्यकर्ता सम्मलित रहे।

बेहटा थाना तंबौर क्षेत्र के अंतर्गत तंबौर से रेउसा मार्ग कठूरा के पास हुआ दर्दनाक एक्सीडेंट जिसमे दो लोगो की मौके पर ही मौत

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। बेहटा थाना तंबौर क्षेत्र के अंतर्गत तंबौर से रेउसा मार्ग कठूरा के पास हुआ दर्दनाक एक्सीडेंट जिसमे दो लोगो की मौके पर ही मौत हो गई एक गम्भीर रूप से घायल हो गया ए घटना करीब 12बजे रात की है मौके पर पहुंची कई थानों की पुलिस शव को कब्जे लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया वहीं पर बताते चलें की थाना रेउसा क्षेत्र के सेउता निवासी धीन पुत्र भगौती उम्र करीब 34वर्ष छोटेलाल गुप्ता निवासी खरौहा अपने अपने ट्रैक्टर से धान से भरी ट्रालियो से मंडी लखीमपुर खीरी को जा रहे थे तभी अचानक रेउसा से तंबौर मार्ग कठूरा के पास एक दूसरे के आगे निकाल के चक्कर में एक दूसरे के ट्रैक्टर आपस में भिड़ंत होने से दोनों गहरी खाई में जा गिरे जिससे दोनो ट्रैक्टर चालको की मौके पर मौत हो गई।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान ने अचेत अवस्था मैं पड़े व्यक्ति को पहुंचाया हॉस्पिटल

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। बैढन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई एनसीएल सिंगरौली इकाई परिसर के सामने महुआ मोड़ के नजदीक एक व्यक्ति अचेत अवस्था में अपने पुत्र सन्नी के साथ मोटरसाइकिल से गिरा हुआ था। उसको तत्काल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के बल सदस्यों ने अपनी गाड़ी से नेहरू हॉस्पिटल में भर्ती कराया तथा उक्त घटना की सूचना नवानगर थाना एवं अमलोरी हॉस्पिटल को दिया उक्त व्यक्ति का नाम विजय कुशवाहा उम्र 35 वर्ष ग्राम महाजन कला ,थाना नवानगर , जिला सिंगरौली का रहने वाला है बताया जा रहा है।

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा फूंका गया राकेश टिकैत का पुतला

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। तिकुनिया कांड में मारे गए बीजेपी कार्यकर्ता व आशीष मिश्र मोनू को न्याय दिलाने के लिए निघासन नगर में भारी संख्या में बीजेपी के कार्यकर्ता एकत्र होकर निघासन के मुख्य चौराहे पर राकेश टिकैत मुर्दाबाद व राकेश टिकैत चोर है के नारे लगाते हुए मुख्य चौराहे पर राकेश टिकैत का पुतला फूंका।

ज्ञात हो कि शनिवार को निघासन के हनुमान गढ़ी मंदिर में भारी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता एकत्र हुए और किसान नेता राकेश टिकैत मुर्दाबाद व राकेश टिकैत चोर, आशीष मिश्रा अमर रहे, आशीष मिश्रा को न्याय दो आदि तरह के नारे लगाते हुए निघासन के मुख्य चौराहे पर राकेश टिकैत का पुतला फूंका। इस दौरान भारी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इटियाथोक थाना क्षेत्र के विसर्जन स्थलों पर मूर्ति विसर्जन का कार्य हुआ संपन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर इटियाथोक थाना क्षेत्र में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन आज विजयदशमी के पावन पर्व पर ग्राम पंचायत पारासराय स्थित विशुही नदी घाट व तिर्रेमनोरमा स्थित मनोवर सरोवर सहित अन्य विसर्जन स्थलो पर दुर्गापूजा आयोजन समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा दुर्गा मां की पूरे विधि विधान के साथ पूजन अर्चन व धूप दीप करने के उपरांत नदी व सरोवर के पवित्र जल में प्रवाहित किया। इस दौरान विसर्जन कार्य को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस व पीएसी के जवान जगह जगह मुस्तैद रहे। जिसकी वजह से क्षेत्र में छुटपुट घटनाओं को छोड़कर कहीं पर किसी भी प्रकार का वाद विवाद नहीं हुआ और विसर्जन कार्य को सकुशल संपन्न कराया गया।

स्वाभिमानी लोग कभी भी अपने वोट का सौदा नहीं करते है : लक्ष्य

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर–सिधौली। लक्ष्य की सीतापुर युथ टीम ने बहुजन जनजागरण अभियान के तहत एक कैडर कैम्प का आयोजन जिला सीतापुर तह सिधौली के गांव दक्षिण पुरवा मजरा इस्माइलगंज में किया जिसमें गांव के लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। स्वाभिमानी लोग कभी भी अपने वोट का सौदा नहीं करते है क्योकि वोट का सही इस्तेमाल ही बहुजन समाज को नई दिशा दे सकता जोकि उनकी दशा को बदल सकता है यानिकि वोट के सही इस्तेमाल से ही बहुजन समाज देश–प्रदेश का हुक्मरान बन सकता है और जो समाज हुक्मरान होता है, उस समाज के लोगो का कभी शोषण नहीं होता है। यही बात हमारे महापुरुषों ने भी समय समय पर बताई है अर्थात् स्वाभिमानी लोग ही आंदोलन को गति प्रदान करते है तथा वे चुनौतियों से घबराकर मैदान नहीं छोड़ते है बल्कि उसका डटकर मुकाबला करते है। यह बात लक्ष्य कमांडरों ने अपनी चर्चा के दौरान कही। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बहुजन समाज के लोगों को स्वाभिमान की परिभाषा को अच्छे से समझना होगा क्योंकि जो लोग स्वाभिमानी होते है उनसे लालच कोसो दूर होता है वे मान सम्मान को सर्वोपरि रखते है तथा शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहते है। ऐसे लोगों को समाज की चिंता होती है वे लेने वालो की लाइन में नहीं लगते है जबकि देने वालों में उनकी गिनती होती है। मान्यवर कांशीराम साहब ने भी कहा था कि समाज के लोगों को लेने वाला नहीं वल्कि देने वाला बनना होगा अर्थात् हुक्मरान बनना होगा। इस अवसर लक्ष्य की महिला कमांडरों ने समाज में व्याप्त सामाजिक कुरुतियां, अंधविश्वास व पाखण्ड पर प्रहार करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही बहुजन समाज आगे बढ़ सकता है, इसलिए हम अपने बच्चो को शिक्षित अवश्य करें। उन्होंने महापुरषों के संघर्ष पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। इस कैडर कैंप में लक्ष्य कमांडर रेखा आर्या, राजकुमारी कौशल, मुन्नीबौद्ध, रश्मि गौतम, देवकी बौद्ध, लक्ष्य युथ कमांडर कालीचरण, भारतीय, मोहित गौतम, ऋषभ श्रीवास, विनोद चौधरी, दीपक गौतम, अखिलेश गौतम, कुलदीप बौद्ध, विनय प्रेम, शैलेन्द्र आर्या, एस पी कौशल, शैलेन्द्र राजवंशी ने हिस्सा लिया। आयोजन की कमान राम जीवन बौद्ध व सत्य प्रकाश बौद्ध ने संभाली।

एलआईसी ब्रांच मैनेजर के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मेडल और ट्रॉफी देकर किया गया सम्मानित

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। ब्रांच मैनेजर एलआईसी शाखा गोंडा सरजू प्रसाद द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने के लिए रईस अहमद को ट्रॉफी और मेडल देकर शाखा में गोल्डन जुबली फंड द्वारा अस्पतालों में आवश्यकतानुसार एंबुलेंस तथा अन्य उपकरण प्रदान करती है और अन्य बहुत सारे सामाजिक कार्य करती है। एलआईसी तमाम बेरोजगार युवकों को अभिकर्ता

सम्मानित किया गया ब्रांच मैनेजर ने अपने संबोधन में कहा एलआईसी सिर्फ बीमा ही नहीं करती है साथ साथ और भी अन्य सामाजिक कार्य करती है उच्च शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए निर्बल आय वर्ग के मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु स्कॉलरशिप भी प्रदान करती है बनाकर बिना किसी पूजी के रोजगार के अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर डेवलपमेंट ऑफिसर रवि प्रकाश गौतम कर्ता राम वर्मा बृजेश कुमार यादव पंकज पांडे विनय कुमार यादव जमाल अरशद सूर्य प्रकाश वर्मा रमाशंकर आदि तमाम अभिकर्ता उपस्थित थे।

कोयला-बिजली का ऊर्जा संकट मोदी सरकार की नीतियों की देन - वर्कर्स फ्रंट

बिजली संकट की आड़ में कारपोरेट बिजली कंपनियों ने की अरबों की लूट

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। आज देश में पैदा हुआ कोयला–बिजली का ऊर्जा संकट मोदी सरकार के कुप्रबंधन और कारपोरेट लाभ की नीतियों की देन है। कोरोना काल में ही कोल ब्लॉक के नीलामी प्रक्रिया शुरू करने पर कोयला कर्मचारियों ने भविष्य में इसके खतरे की ओर आगाह किया था लेकिन प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा द्वारा कोल–पावर सेक्टर के निजीकरण की प्रक्रिया को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बेहद जरूरी बताने का तर्क देकर इसे जायज व देशहित में बताया था। आज मोदी सरकार द्वारा देशहित व ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के नाम पर शुरू किये गए आर्थिक सुधार यानी अंधाधुंध निजीकरण का दुष्परिणाम देश में पहली बार पैदा हुए अभूतपूर्व बिजली संकट के बतौर सामने आया है। यह बातें वर्कर्स फ्रंट के अध्यक्ष दिनकर कपूर ने अपने प्रेस को दिए बयान में कहीं। उन्होंने कहा कि आज इस संकट में कारपोरेट कम्पनियां महंगी बिजली बेच कर अरबों रूपए का मुनाफा कमा रही है। कारपोरेट कंपनियों से 6–7 रूपए प्रति यूनिट खरीदी जाने वाली बिजली को 15–20 रूपए तक का भुगतान किया जा रहा है। जबकि यह तथ्य है कि एनटीपीसी, अनपरा आदि सरकारी बिजली घरों में औसतन बिजली लागत 2–3 रूपए प्रति यूनिट आ रही है। कारपोरेट कम्पनियों से महंगी दर पर खरीदी जा रही बिजली का बोझ बिजली के दाम बढाकर आम जनता पर डाला जायेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा किए सुधारों से ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सरकारी कंपनियों का एकाधिकार व नियंत्रण खत्म होने से यह बाजार के हवाले होना तय है और कारपोरेट कंपनियों की मुनाफाखोरी–लूट में खुली छूट होगी। मोदी सरकार का यह तर्क बेबुनियाद है कि मौजूदा संकट बिजली की खपत में अप्रत्याशित बढ़ोतरी और इस सत्र में भारी बरसात होने से खदानों में पानी भर जाने से कोल खनन के प्रभावित होने से है। वित्तीय वर्ष 2019–20 के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2021–22 में औसतन 16 प्रतिशत की बिजली खपत में बढ़ोतरी में अप्रत्याशित कुछ भी नहीं है बल्कि अरसे से इस रफ्तार से बिजली खपत में बढ़ोत्तरी होती रही है, इसी तरह देश में इस सत्र में अतिरिक्त बरसात भी दर्ज नहीं की गई है। सामान्य रूप से होने वाली बरसात से निपटने के लिए कोयला खदानों के पास समुचित इंतजाम रहता है लेकिन जो रिपोर्ट्स आ रही हैं उसमें प्रमुख बात यह है कि बरसात के पानी की निकासी के मामले में वक्त रहते पर्याप्त उपाय नहीं किया गया। दरअसल सार्वजनिक क्षेत्र में बर्बाद करने और कारपोरेट कंपनियों के हवाले करने के मकसद से सरकार काम कर रही है। इसके खिलाफ वर्कर्स फ्रंट अन्य संगठनों के साथ मिलकर अभियान चलायेगा और मोदी सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र को तबाह करने वाली नीतियों के बारे में जनता को सचेत करेगा।

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। जनपद सीतापुर के अंतर्गत दिनांक 15/ 10 /2021 को महिंद्रा एंड महिंद्रा की नई गाड़ी एक्सयूवी 700 उत्साह और हर्षोल्लास के साथ महिंद्रा की डीलरशिप मूसाराम एंटरप्राइजेज सीतापुर पर लांच की गई इस समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमान अचिन मल्होत्रा जी के द्वारा गाड़ी की लांचिंग की गई इस अवसर पर मूसाराम इंटरप्राइजेज लिमिटेड के चेयरमैन प्रेम शंकर अग्रवाल जी एमडी, दिनेश अग्रवाल जी, देश दीपक अग्रवाल जी जी एम, अमित बाजपेई एचआर हेड अनुजा शंकर एमएडीबी हेड अनिल कुमार सेल्स मैनेजर वामिक खान संजय वर्मा आदि वह समस्त स्टाफ उपस्थित रहा इस अवसर पर एमएडीबी हेड अनिल कुमार के द्वारा उपस्थित सभी ग्राहकों को नई गाड़ी एक्सयूवी 700 के बारे में जानकारी प्रदान की गई कई ग्राहकों ने रुचि लेकर एक्सयूवी 700 कंपनी में बुक भी कराई।

गोंडा मनकापुर,आईटीआई संचार विहार में रावण के पुतले का हुआ दहन।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। जब पूरे देश में असत्य पर सत्य की जीत का पर्व दशहरा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया उसी तारयत्म्य में सबरंक कला मंच द्वारा आयोजित राम – रावण के मैदानी रामलीला के तहत संचार विहार में भी रावण के पुतले का दहन 15 अक्टूबर को केंद्रीय विद्यालय के मैदान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीआई लिमिटेड के इकाई प्रमुख एवं अतिरिक्त महाप्रबंधक अजय कुमार श्रीवास्तव, दिलीप कुमार शर्मा महाप्रबंधक, मानव संसाधन प्रमुख वाई एस चौहान, उपमहाप्रबंधक आलोक गुप्ता एवं केंद्रीय सेवाओं के प्रमुख पी एन झा, कर्मचारी संघ के मंत्री उमेश चन्द्र, उपाध्यक्ष गुरूबक्स, राम लखन वर्मा (मी. प्र.) के अलावा कई गणमान्य लोगों द्वारा राम–लक्ष्मण की आरती करने का साथ किया गया। कार्यक्रम में रामायण मण्डली की भूमिका बहुत ही सराहनीय रही। राम द्वारा रावण को बार– बार मारने के बाद भी रावण का बध नही हो पा रहा था तब विभीषण ने राम को बताया कि रावण का वध ऐसे नही किया जा सकता है रावण के नाभि में अमृत है इसका भेद जब विभीषण ने बताया तब राम ने अग्नि बाण चलाकर रावण के अहम को चकनाचूर करते रावण का बध कर डाला। रामलीला में राम की भूमिका में अभिनव प्रताप सिंह, लक्ष्मण–आयुषमान सिंह, हनुमान – सत्यम शर्मा, विभीषण–आशीष कुमार यादव, शंकर जी–अजय कुमार मिश्रा, रावण– कन्हाई कुमार पाल, सुग्रीव– दीपक कुमार, जामवन्त– आकाश यादव का रोल निभाया। इस मैदानी रामलीला और रावण के पुतले के दहन कार्यक्रम को सबरंक कला मंच ने आयोजित किया उसमे प्रमुख रूप से कपिल श्रीवास्तव, अनिल पाठक, संजीव श्रीवास्तव, आर के रसाल, राज कुमार सिंह, गीता गुप्ता, कन्हाई कुमार पाल के अलावा सब रंक कला मंच के तमाम सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। सुरक्षा में कोई चूक न हो इसके लिए मनकापुर कोतवाली के उप निरीक्षक सतेंद्र वर्मा अपने दल–बल के साथ मौजूद रहे। मंच का संचालन मानव संसाधन अधिकारी जे के श्रीवास्तव ने किया साथ ही कार्यक्रम में आये हुए मुख्य अतिथि, वरिष्ठ अधिकारी गणों एवं उपस्थित जन समुदाय का आभार व्यक्त करते हुए अंत मे मुख्य अतिथि द्वारा राम चन्द्र जी आरती करने के साथ ही कार्यक्रम का समापन हो गया।

'सरदार ऊधम' में विक्की कौशल को देख सुतापा को याद आए पति इरफान, बोलीं- यह उनका ड्रीम रोल था

मुंबई, (वेब वार्ता)। इस वक्त विक्की कौशल फिल्म 'सरदार ऊधम' को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। फिल्म में सरदार ऊधम सिंह के रोल में उन्हें खूब पसंद किया जा रहा है। पर क्या आप जानते हैं कि पहले यह रोल दिवंगत ऐक्टर इरफान को ऑफर हुआ था? इरफान पहले सरदार ऊधम सिंह के रोल के लिए साइन किए गए थे, लेकिन खराब सेहत के कारण उन्होंने यह फिल्म छोड़ दी थी। इस शुक्रवार को 'सरदार ऊधम' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें इरफान की वाइफ सुतापा सिकदर और बेटा बाबिल भी पहुंचे। 'सरदार ऊधम' देखकर सुतापा सिकदर को इरफान की याद आ गई। यह फिल्म सुतापा के दिल के करीब है और इसकी वजह उनके पति इरफान हैं। 'इंडिया टुडे' के साथ बातचीत में सुतापा सिकदर ने 'सरदार ऊधम' और उसमें विक्की कौशल की ऐक्टिंग पर अपनी राय रखी। सुतापा ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे बयां करूं। मैं इस फिल्म को सिर्फ एक फिल्म के तौर पर देख ही नहीं पाई। 'सरदार ऊधम' सिर्फ एक फिल्म ही नहीं है। मेरे लिए यह एक सपना है जो इरफान जीना चाहते थे। वहीं फिल्म में सरदार ऊधम सिंह के रोल में विक्की कौशल को देख सुतापा सिकदर बोलीं, 'जब मैंने स्क्रीन पर विक्की को देखा तो मेरी यादों के कई पन्ने पलट गए। मुझे सरदार ऊधम के रोल के लिए इरफान की ऐक्साइटमेंट याद आ गई। इस तरह के टफ रोल के लिए वह बच्चों की तरह खुश हो जाते थे। विकी को देख मुझे एनएसडी के दिनों के इरफान की याद आ गई।' हालांकि सुतापा ने माना कि विक्की और इरफान की तुलना करना सही नहीं होगा। वह बोलीं, 'इस स्टेज पर उन दोनों की तुलना करना नाइंसाफी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि जब इरफान इस फिल्म को करने वाले थे तो उस वक्त एक्सपीरियंस और उम्र में विक्की कौशल से कहीं ज्यादा बड़े थे। लेकिन मैंने विक्की के चेहरे पर सिनेमा के लिए ठीक वैसा ही पैशन, डेडिकेशन, प्यार और कड़ी मेहनत देखी, जैसी इरफाने के चेहरे पर दिखती थी। मुझे पूरा विश्वास है कि इरफान, विक्की कौशल को सरदार ऊधम सिंह का रोल प्ले करते देख खुश हो रहे होंगे। आखिरकार यह उनका ड्रीम रोल जो था। बता दें कि 'सरदार ऊधम सिंह' 16 अक्टूबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई। इस फिल्म को शूजित सरकार ने डायरेक्ट किया है। शूजित सरकार, इरफान के बहुत करीब थे। दोनों ने फिल्म 'पीकू' में भी साथ काम किया था। शूजित सरकार और इरफान के बीच गहरी दोस्ती थी। यही जोड़ी 'सरदार ऊधम' में भी साथ काम करने वाली थी, पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। इरफान का बीते साल निधन हो गया था। वह कैंसर से पीड़ित थे। वहीं बात करें फिल्म 'सरदार ऊधम' की तो यह भारत की आजादी की लड़ाई में पंजाब के क्रांतिकारी रहे सरदार ऊधम सिंह की जिंदगी पर आधारित हैं। ऊधम सिंह ने 1919 में हुए जलियांवाला हत्याकांड का बदला लेने के लिए माइकल ओ डायर की हत्या कर दी थी। इसके कारण उन्हें पेंटनविले जेल में फांसी दे दी गई थी।

शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा-शिल्पा शेट्टी के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

मुंबई, (वेब वार्ता)। शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही पॉर्नोग्राफी केस में फंसे शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनसमैन राज कुंद्रा पर इसी साल जुलाई में सेक्सुअल असॉल्ट का आरोप लगाया था। अब शर्लिन ने राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के खिलाफ कथित तौर पर मैंटल और सेक्शुअल हैरेसमेंट और धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई है। शर्लिन चोपड़ा ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि राज कुंद्रा ने न सिर्फ उनका शोषण किया बल्कि अंडरवर्ल्ड की धमकी तक दी। शर्लिन ने रोते हुए कहा कि अब वह डर–डरके नहीं जी सकतीं। वीडियो में शर्लिन राज कुंद्रा के लिए कह रही हैं, 'लड़कियों से जिस्म की नुमाइश करवाकर आप उनकी पेमेंट क्लियर क्यों नहीं करते? आप उनको चूना क्यों लगाते हैं? आप उनको टोपी क्यों पहनाते हैं? क्या ये होता है एथिकल बिजनस? आपको बिजनसमैन बनना है, जाइए सीखिए, टाटा कैसे बिजनस करते हैं। एथिक्स के साथ करते हैं। जो वादे करते हैं वो निभाते हैं। आप क्या करते हैं? आप आर्टिस्ट के घर पर जाकर उनका यौन शोषण करते हैं। उनके घर पर जाकर उसे अंडरवर्ल्ड की धमकी देते हैं। बोलते हैं यौन शोषण का केस वापस ले वरना तेरी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी।' शर्लिन ने आगे रिवील किया कि राज कुंद्रा ने उन्हें किसी रंजीत बिंद्रा का नंबर दिखाते हुए कहा था कि वह डी कंपनी का आदमी है और उनके साथ कुछ भी हो सकता है। वह बोलीं, 'जो एक दो फिल्में तेरे हाथ में हैं वो भी छूट जाएगी। इस तरह आप बात करते हैं। मैं ऐसे नहीं जी सकतीं। इस बारे में उन्होंने पुलिस को भी बताया। वह आगे बोलीं, 'आज मैं नहीं डरूंगी। मैंने पुलिस से कहा कि मैं ऐसे डर–डरके नहीं जी सकती। बात सिर्फ पेमेंट की नहीं है। ये जो डर

आज नहीं डरूंगी। दुर्गा मां का आशीर्वाद लेकर आई हूं मैं। मैं नहीं डरूंगी। ना आपसे, ना आपके पावर से। क्या– क्या कहा था आपने? आपको याद है? आपने बोला था कि आपके सिर पर किसी बिग बॉस का हाथ है और जब तक उस बिग बॉस का हाथ रहेगा, आपका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। ऐसी बातें कहीं आपने मुझसे। उन्होंने अपने सेलफोन पर मुझे रंजीत बिंद्रा का नाम दिखाया और कहा था कि ये डी कंपनी का आदमी है। कुछ भी हो सकता है आपके साथ। शर्लिन चोपड़ा ने कहा कि उनके लिए बात सिर्फ पेमेंट की नहीं बल्कि डर के माहौल में घुट–घुटकर जीने की है और वह का माहौल बनाकर रखा है, उसे सहन नहीं कर सकती। वीडियो में शर्लिन चोपड़ा ने शिल्पा शेट्टी के खिलाफ भी शिकायत दर्ज करवाने के पीछे की वजह के बारे में बताया। बता दें कि इसी साल जुलाई में शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा पर शोषण का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि राज कुंद्रा दो साल पहले 2019 में एक दिन अचानक उनके घर पहुंचे थे और उनके साथ यौन दुराचार किया। शर्लिन ने आरोप लगाया था कि राज कुंद्रा ने उन्हें जबरन किस किया था। शर्लिन के मुताबिक, उन्होंने राज कुंद्रा को पीछे धक्का देने की खूब कोशशि की। लेकिन राज नहीं माने और वह डर गई थीं।

अफसाना पर भड़के सलमान– चॉइस होती तो शो से निकाल देता

मुंबई, (वेब वार्ता)। 'बिग बॉस 15' में इस पूरे हफ्ते अफसाना खान अपनी घटिया और बेहूदा हरकतों के लिए लोगों के निशाने पर रही हैं। सोशल मीडिया पर भी उन्हें लोग खूब खरी–खोटी सुना रहे हैं। इसी बीच सलमान खान ने भी अफसाना को बुरी तरह लताड़ा है। सलमान ने अफसाना की करतूतों के लिए अफसाना को कड़वा सबक सिखाया। लेकिन इस दौरान भी अफसाना ने तेवर दिखाते हुए ऐसी बात बोल दी कि सलमान का पारा हाई हो गया। सलमान ने अफसाना खान को 'वीकेंड का वार' में बुरी तरह डांटा, जिसका मेकर्स ने प्रोमो रिलीज किया है। प्रोमो में सलमान, गुस्से में थीं। लेकिन सलमान उनकी एक नहीं सुनते और कहते हैं, 'गुस्से में हो तो कुछ भी बोल दोगी? आपकी जुबान तो चलती ही है, उसके साथ आपके हाथ भी चलते हैं। आपका ना एक सेट पैटर्न है। सलमान की इस बात पर अन्य घरवाले भी हामी भरते हैं। शमिता, अफसाना के लिए कहती हैं वह पहले ब्लेम करती हैं और फिर खुद को हार्म करती हैं।' अफसाना की हरकतों में बारे में घरवालों से सुनकर और खुद देखकर सलमान बिफर जाते हैं। वह कहते हैं, 'मेरी चॉइस होती तो मैं आपको इस घर से बेघर कर देता।' यह

अफसाना खान को लताड़ते हुए कहते हैं, 'घटिया औरत' कौन है और कौन नहीं, आप डिसाइड करेंगी?' इस पर अफसाना कहती हैं, 'आप बड़े हो।' लेकिन सलमान उन्हें बीच में ही रोकते हैं और कहते हैं, 'नहीं, नहीं मैं बुड्ढा हूं। अफसाना सफाई देने की कोशिश करती हैं और कहती हैं कि वह सुनकर अफसाना माफी मांगने के बजाय कहती हैं, 'मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है।' बस यही बात सलमान को चुभ जाती हैं। अब सलमान आगे क्या करेंगे? क्या अफसाना घर से निकाल दी जाएंगी या अपने किए की माफी मांगेंगी? यह आज रात के एपिसोड में पता चलेगा।

लगातार तीसरे दिन पेट्रोल और डीजल में लगी आग

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में फिर से उबाल आने के बीच शनिवार को देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार तीसरे दिन 35–35 पैसे प्रति लीटर की बढोतरी की गयी। राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल 35 पैसे प्रति लीटर बढ़कर 105.49 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.22 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

इससे पहले सोमवार को लगातार सातवें दिन घरेलू स्तर पर पेट्रोल 30 पैसे प्रति लीटर और डीजल 35 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया था। उसके बाद दो दिनों तक शांति रही लेकिन उसके बाद से तेजी बनी हुयी है। बढ़ढत के बाद मुंबई में पेट्रोल 111.43 रुपये और डीजल 102.15 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल सबसे महंगा 114.09 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 103.40 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। झारखंड की राजधानी राँची में पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक साथ शतक लगाने की ओर बढ़ रही है। राँची में पेट्रोल 99.92 रुपये प्रति लीटर और डीजल 99.44 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच चुकी है लेकिन राँची में पेट्रोल अभी भी पूरे देश में सबसे सस्ता है।

अभी देश के अधिकांश प्रमुख बड़े शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गयी है और देश के अधिकांश बड़े शहरों में डीजल भी शतक लगाने की ओर बढ़ रहा है। कुछ शहरों में डीजल 100 रुपये के पार पहुंच चुका है। इस महीने में अब तक 16 दिनों में से 13 दिन इन दोनों की कीमतों में बढोतरी हुयी है। इस महीने में अब तक पेट्रोल 3.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल 4.35 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल अभी भी ऊंचे स्तर पर बना हुआ। सप्ताहांत पर शुक्रवार को अमेरिका में कच्चे तेल में तेजी रही। इस दौरान कल रात कारोबार बंद होने पर ब्रेंट क्रूड 0.86 डॉलर की तेजी लेकर 84.86 डॉलर प्रति बैरल तक चढ़ गया। अमेरिकी क्रूड 1.17 डॉलर की बढ़त के साथ 82.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 105.49 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.22 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

बीघापुर कोतवाली प्रभारी की अति संवेदनशीलता के कायल हुये लोग

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव बीघापुर। शनिवार को ग्राम गिरजा नगर थाना बीघापुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार यादव मोबाइल नंबर 8840807860 द्वारा सूचना दी गई की ग्राम कमराजानापुर नौबस्ता मंदिर पर एक नवजात शिशु कोई छोड़कर चला गया है, जो वर्तमान में सकुशल है उक्त सूचना पर बीघापुर कोतवाली प्रभारी जे.बी. पांडेय के निर्देश पर तुरंत ही महिला चौकी प्रभारी को मौके पर भेज कर बच्चे को सुरक्षित कराया गया।साथ ही अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई। बच्चा पूर्णतः स्वस्थ है। SHO बीघापुर ने उसके लिए दूध व अन्य जरूरी जीचों की व्यवस्था की।

बीडीओ को सूचना के बावजूद तेज रफतार में हुआ मानक विहीन सीसी निर्माण डीएम से शिकायत

कमीशन की भेंट चढ़ रही सरकारी योजना शिकायत के बावजूद धृतराष्ट्र बने बीडीओ

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन । कदौरा विकास खण्ड ग्राम पंचायतों में खण्ड विकास अधिकारी द्वारा पास हुए सीसी निर्माण कमीशन खोरी की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है मानक विहीन कार्य की शिकायत बीडीओ कदौरा को दी तो जांच तो दूर अगले दिन काम और तेज कर दिया जबकि खुलेआम घटिया ईंट बॉलू से सीसी के ऊपर लेप बनाकर फर्जीवाड़े को अंजाम दिया जा रहा है जिससे जिलाधिकारी को दूरभाष पर सूचना देकर कार्यवाही की मांग की गयी।वही वीडियो व फोटो एसडीएम को भेजने पर जांच का आस्वासन दिया गया। गौरतलब हो कि विकास खण्ड कदौरा क्षेत्र ग्राम पंचायत बबीना में पुरानी सीसी के ऊपर सीसी निर्माण कार्य जारी है जिसमे घटिया ईंट व मिट्टी मिक्स बॉलू व अमानकीय मसाला का प्रयोग जारी है जिस पर ग्रामीणों द्वारा आपत्ति लगाने पर बीडीओ अश्वनी सिंह गुरुवार को सूचना दी तो कहा गया कि जानकारी नही है जांच की जाएगी बीडीओ को सूचना देने के बाद उक्त सीसी निर्माण और तेज कर दिया गया एव निर्माण कार्य घटिया सामग्री व मानक विहीन ही जारी रहा जिससे शुक्रवार को ग्रामीणों ने आपत्ति लगाते हुए कहा कि उक्त भृस्टाचार पर कोई गौर करने वाला नही है तो जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारी को उक्त फर्जीवाड़े के तहत निर्माण के वीडियो फोटो भेजे गए वही फोन पर जिलाधिकारी के फोन पर आस्वासन दिया गया कि जांच करवाई जाएगी। बीडीओ अश्वनी सिंह के कार्यकाल में अधिकांश सरकारी योजनाएं भृस्टाचार की भेंट चढ़ रही है शिकायत के बावजूद निष्पक्ष जांच न होने पर नरेगा का धन इसी तरह बंदरबांट हो रहा है जिस पर कोई गौरतलब होते नही दिख रहा है। जिलाधिकारी को सूचना शिकायत अवगत कराने के बाद अब देखना है उक्त धांधली पर क्या कार्यवाही होती है।

रेलवे स्टेशन में सामान रखने के दौरान विस्फोट, सीआरपीएफ के चार जवान घायल

रायपुर, (वेब वार्ता)। छत्तीसगढ़ के रायपुर रेलवे स्टेशन में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशेष रेलगाड़ी में विस्फोट हो गया। इस घटना में चार जवान घायल हो गए हैं, घायलों में से एक की हालत गंभीर है। रायपुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यहां बताया कि रायपुर रेलवे स्टेशन में सुबह झारसुगुड़ा से जम्मू तवी जा रही विशेष रेलगाड़ी में सामान रखने के दौरान विस्फोट हो गया। इस घटना में चार जवान घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुबह साढ़े छह बजे झारसुगुड़ा से जम्मू तवी जा रही सीआरपीएफ की विशेष रेलगाड़ी प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़ी थी। इसमें सीआरपीएफ की तीन कंपनियों को भेजा जा रहा था। जब रेलगाड़ी में सामान रखा जा रहा था तब बोगी नंबर नौ के करीब एक कंटेनर में (जिसमें विस्फोटक रखा गया था) विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में हवलदार चौहान विकास लक्ष्मण समेत चार जवान घायल हो गए। जानकारी मिलने पर पुलिस दल घटनास्थल पहुंचा । घायल जवान लक्ष्मण को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहीं मामूली रूप से घायल तीन अन्य जवानों को प्राथमिक उपचार दिया गया। रेलगाड़ी रायपुर रेलवे स्टेशन से रवाना हो चुकी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में स्टेशन में मौजूद अन्य किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचा है।

बेस्ट ऑफ इंडिया शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2021 में हाईवे नाइट्स ने मचाया धमाल

मुंबई, (वेब वार्ता)। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निमार्ता और अभिनेता प्रकाश झा की लघु फिल्म हाईवे नाइट्स ने बेस्ट ऑफ इंडिया शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2021 में ग्रैंड जूरी पुरस्कार जीता है। फिल्म के लिए ऑस्कर 2023 का रास्ता साफ हो गया है। शुभम सिंह के साथ अखिलेश चौधरी द्वारा निर्मित फिल्म हॉलीवुड, लॉस एंजिल्स, यूएसए में एक थिएटर रिलीज होगी और ऑस्कर 2023 के लिए क्वालिफाई करेगी। इस अवसर पर बात करते हुए, प्रकाश ने कहा कि मैं यह खबर सुनकर उत्साहित हूं और मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं। यह एक महत्वपूर्ण संदेश वाली फिल्म है और मुझे उम्मीद है कि फिल्म पूरे देश में थिएटर, डिजिटल और टेलीविजन प्रसारण के साथ दुनिया के व्यापक दर्शकों तक पहुंचेगी। हाईवे नाइट्स एक दिल को छू लेने वाली कहानी है जो महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की बात करती है। फिल्म एक उम्रदराज, अधिक काम करने वाले लॉरी ड्राइवर के बारे में है जो एक रात एक युवा, गपशप करने वाली सेक्सवर्कर को लिफ्ट देता है और कैसे वे कुछ घंटों की छोटी यात्रा में एक बंधन विकसित करते हैं।

महिला का किरदार मजल व्यास ने निभाया है।

निर्देशक शुभम सिंह ने कहा कि यह मेरी पहली लघु फिल्म है और इस तरह की प्रशंसा प्राप्त करना खुशी की बात है। मैं प्रकाश जी का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने हमारी फिल्म में अभिनय करने के लिए सहमति व्यक्त की। यह एक चलती–फिरती कहानी है, जिससे पूरी दुनिया के लोग जुड़ सकते हैं।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने उठाई अवैध क्लीनिक व अवैध पैथालोजी तथा अवैध मेडिकल स्टोरों सहित निजी प्रैक्टिस कर रहे सरकारी डाक्टरों पर कार्यवाही की मांग

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा,गोण्डा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता को सौंप कर कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग व औषधि विभाग के मिलीभगत व रहमोकरम के चलते जनपद के कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध क्लीनिक निजी चिकित्सालयों व झोलाछापों व अवैध पैथालोजी व अवैध/मानकविहीन मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे हैं तथा सरकारी चिकित्सकों द्वारा एन.पी.ए. लेने के बावजूद भी अपने–अपने आवासों सहित अन्य संस्थानों में शुल्क लेकर मरीज देखा जा रहा है। इतना ही नही जिला महिला चिकित्सालय में कार्यरत शिशु रोग के डा0 द्वारा अपने आवास में शुल्क लेकर देखे जा रहे मरीज की सीडी कैसेट में वीडियो क्लीपिंग भी ज्ञापन के साथ सौंपा गया है। एसोसिएसन के जिलाध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में 14.10.2021 को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपते हुए कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्र व कस्बे में खुलेआम अवैध व मानक विहीन अवैध क्लीनिक निजी चिकित्सालयों व झोलाछापों व पैथालोजी तथा अवैध मेडिकल स्टोरों की खबर बार बार प्रकाशित होने के बाद सूचना विभाग द्वारा अखबारों की कटिंग श्रीमान जी के यहाँ जाती है परन्तु सीएमओ व संबंधित चिकित्साधीक्षकों द्वारा कार्यवाही करने के बजाय उन्हें बचाने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। प्रमाण यह कि दैनिक समाचार पत्र डेली न्यूज एक्टिविस्ट में मानक विहीन अवैध क्लीनिक, निजी चिकित्सालयों व झोलाछापों व पैथालोजी की खबर प्रमुखता से प्रकाशित खबर को संज्ञान लेते हुए श्रीमान जी द्वारा दिनाक 19.02.2021 को सन्दर्भ सं0–20018321003127 पर दर्ज कराकर सीएमओध्एडी हेल्थ को कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया था परन्तु निजी लाभवश स्वस्थ्य विभाग द्वारा कार्यवाही न किए जाने का परिणाम यह रहा कि विकास खंड कटरा बाजार अन्तर्गत दोनों निजी चिकित्सालयों के मध्य खूनी संघर्ष हुआ घायलों का इलाज चल रहा है। इतना होने के बावजूद भी सम्बंधित विभाग द्वारा कार्यवाही न किये जाने से मानक विहीन अवैध क्लीनिक निजी चिकित्सालयों व झोलाछापों व पैथालोजी फल फूल रहे हैं। अवैध मेडिकल स्टोर की खबरें डीएलए व औषधि निरीक्षक को कई बार देने के बावजूद उनके द्वारा न जाने किस मोह पास के चलते जांच व कार्यवाही नही की जा रही है जिससे राजस्व की भारी क्षति हो रही है। एसोसिएसन द्वारा मांग उठाया गया है कि अवैध व मानक विहीन अवैध क्लीनिक निजी चिकित्सालयों व झोलाछापों व पैथालोजी तथा एन.पी.ए. लेने के बावजूद निजी प्रैक्टिस करने वाले सरकारी चिकित्सकों की जांच अन्यत्र विभाग के त्रिस्तरीय टीम द्वारा कराई जाय यदि अवैध रूप से संचालन पाया जाता है तो सम्बंधित अधिकारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाय ताकि आम जनता को अच्छी सुविधा प्राप्त हो सके। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री विजय सोनी, जिला संयोजक/प्रवक्ता ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह,उपाध्यक्ष रंजीत तिवारी,उपाध्यक्ष अनवर मेहंदी, उपाध्यक्ष विनोद शुक्ला, उप सचिव मनोज सोनी, जिला महासचिव राकेश चौधरी, इटियाथोक के रंजीत तिवारी, व कहोबा चौराहा से सुरेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। ग्राम किसान चौपाल किसान मोर्चा के द्वारा की गई मीटिंग ग्राम कर्मी बिजला मऊ में माननीय विधायक पंकज गुप्ता जी व जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा मनोज सिंह व जिला महामंत्री विपिन मिश्रा व मंडल अध्यक्ष अतुल तिवारी जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला जी वाह सुनील तिवारी जी मौजूद रहे और किसानों कीउनकी समस्या का हाल–चाललिया और उसका समाधान किया किसानों को सरकार से मिल रहे लाभ को अवगत कराया

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।